Centenary Year of Shri Ram College of Commerce

Established in 1926 by Sir Shri Ram, eminent industrialist and philanthropist, **Shri Ram College of Commerce**, or **SRCC** as it is fondly called, is India' premier Higher Education Institution in the fields of Commerce, Economics, and Management.

From a humble beginning with twelve students and four teachers for one diploma programme in a hired bungalow at 8, Daryaganj to 4000+ students with over hundred teachers in five programmes in its iconic art-deco campus, SRCC today is one of the most sought-after colleges in the country and is consistently ranked among top colleges of Commerce in India. The legacy of Shri Ram College of Commerce is built over the century through its visionary leadership, learned faculty, dedicated administration, distinguished alumni and spirited students.

The Motto of SRCC, "तमसो मा ज्योतिर्गमय" translates to, "Lead us from darkness to light", forms SRCC' core philosophy. At the heart of its existence lies its commitment to education and learning, its ingrained ideology towards individual progress, community building, social impact and national development.

With its emphasis on holistic development through progressive and participative andragogy, along with its notable peer-to-peer and alumni support systems, SRCC harbours the democratic environs for the self-actualisation of its students, teachers, and alumni. SRCC has produced illustrious alumni leading in diverse fields such as academics, business, bureaucracy, law, media, entertainment, journalism, politics, public services, and sports amongst others. The journey of 100 years of the College is also the celebration of the journeys of these individuals as pioneers, founders, innovators, and entrepreneurs.

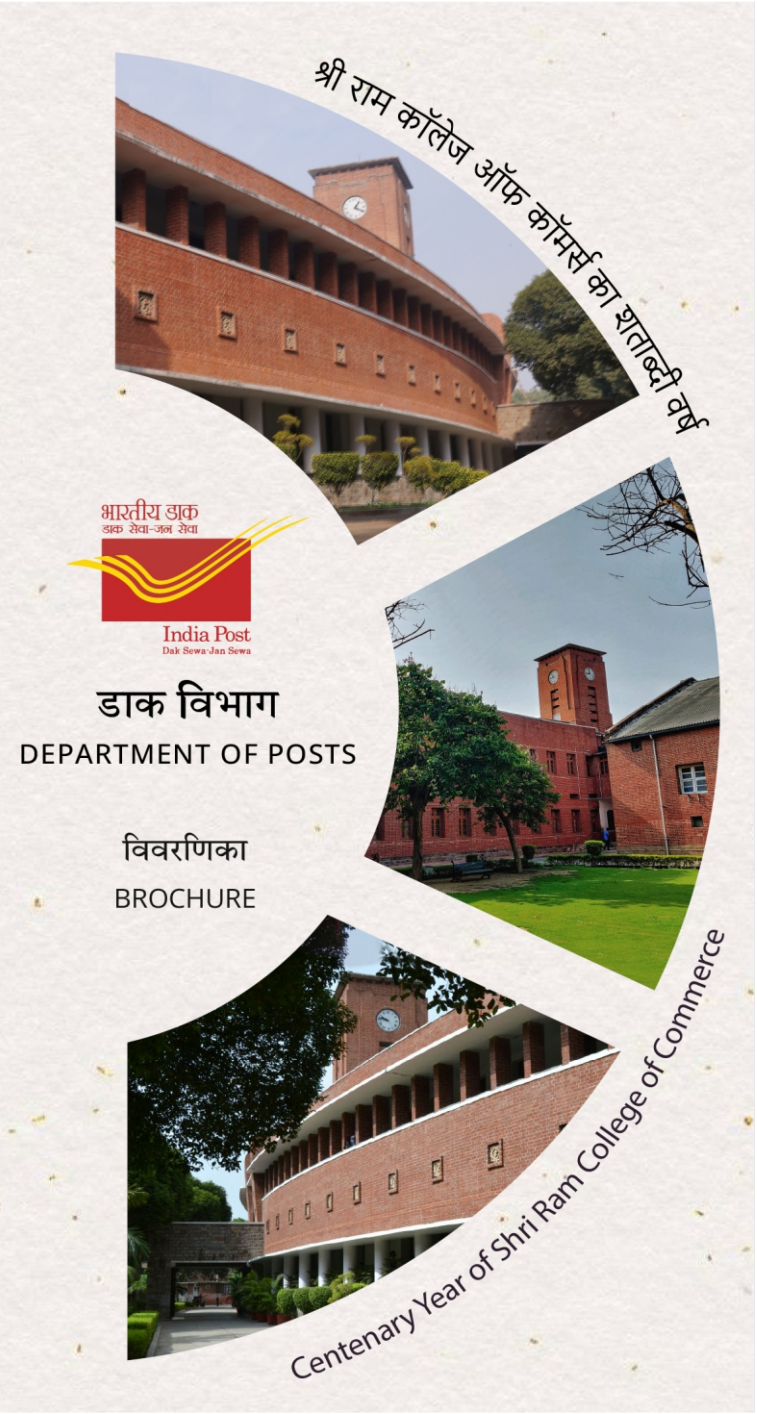
With a Vision of being "A College of Global Choice", Shri Ram College of Commerce actively integrates the highest standards of quality in every aspect of its institutional functioning from imparting education to the development of the Nation. The history of Shri Ram College of Commerce sets the stage, the benchmarks, and the legacy for the College to sail steadfastly and unwaveringly towards its journey of being an Institution of Global Choice.

Department of Posts is pleased to issue a commemorative postage stamp on Centenary Year of Shri Ram College of Commerce.

Credits:

Stamp/FDC/Brochure/ Cancellation Cachet : Ms. Mahima Jain

Text : Based on the content provided by the proponent.



श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का शताब्दी वर्ष

प्रख्यात उद्योगपति और परमार्थी 'सर' श्रीराम द्वारा वर्ष 1926 में स्थापित **श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स** को प्रायः **एस आर सी सी** के नाम से जाना जाता है। यह संस्थान वाणिज्य, अर्थशास्त्र और प्रबंधन के क्षेत्र में भारत का प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थान है।

एस आर सी सी की शुरुआत 8, दरियागंज के किराए के बंगले में बारह छात्रों और चार शिक्षकों के साथ हुई थी। तब यह केवल एक ही डिप्लोमा पाठ्यक्रम ऑफर करता था। आज यह अपने प्रतिष्ठित आर्ट–डेको परिसर से पांच पाठ्यक्रम संचालित करता है और इसके सौ से अधिक शिक्षक तथा 4000 से अधिक विद्यार्थी हैं। वर्तमान में, यह देश के पसंदीदा कॉलेजों में से एक है और भारत में वाणिज्य विषय के शीर्ष कॉलेजो में लगातार सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर रहा है। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स का दूरदर्शी नेतृत्व, विद्वान संकाय, समर्पित प्रशासन, प्रतिष्ठित पूर्व–विद्यार्थी और उत्साही छात्र–छात्राएं उसकी सौ वर्षों की शानदार विरासत के आधार स्तंभ हैं।

एस आर सी सी का आदर्श वाक्य है– "तमसो मा ज्योतिर्गमय" अर्थात "हमे अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाएं"। यही एस आर सी सी का मूल दर्शन भी है। शिक्षा और अधिगम के प्रति प्रतिबद्धता, मनुष्य की प्रगति, समुदाय का विकास, सामाजिक बदलाव और राष्ट्र निर्माण संबंधी इसकी अंतर्निहित विचारधारा ही इसके अस्तित्व का केंद्र है।

श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, प्रगतिशील और सहभागिता आधारित शिक्षा पद्धति के माध्यम से समग्र विकास पर बल देने के साथ–साथ अपने उल्लेखनीय समस्तर (पियर–टु–पियर) और पूर्व–छात्र सहायता प्रणालियों की मदद से विद्यार्थियों, शिक्षकों और पूर्व छात्र–छात्राओं को आत्म–अन्वेषण के लिए लोकतांत्रिक वातावरण के निर्माण को बढ़ावा देता है। वर्तमान में, एस आर सी सी के पूर्व–विद्यार्थी शिक्षण, व्यवसाय, प्रशासन, विधि, मीडिया, मनोरंजन, पत्रकारिता, राजनीति, लोक सेवा और खेल जैसे विविध क्षेत्रों में विलक्षण नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं। इस संस्थान के सौ वर्षों का यह शानदार सफर, इसके सफल नेतृत्वकर्ताओं, संस्थापकों, नवप्रवर्तकों और उद्यमियों की यात्रा का उत्सव भी है।

श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स, का विजन "वैश्विक स्तर का पसंदीदा कालेज" बनना है। अतः यह शिक्षा प्रदान करने से लेकर राष्ट्र के विकास में सहयोग करने तक अपने संस्थागत कार्यकलापों के प्रत्येक पहलू में गुणवत्ता के उच्चतम मानकों को बनाए रखने के प्रति सक्रिय रूप से सजग रहता है। एस आर सी सी का समृद्ध इतिहास इस कॉलेज को वैश्विक स्तर का पसंदीदा कॉलेज बनने की यात्रा में अनवरत और अविचल रूप से आगे बढ़ने हेतु अपेक्षित मंच, मानक और विरासत प्रदान करता है।

डाक विभाग श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के शताब्दी वर्ष पर स्मारक डाक–टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार :

डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/
विवरणिका/विरूपण कैशे : सुश्री महिमा जैन
पाठ : प्रस्तावक द्वारा प्रदत्त सामग्री पर आधारित।

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्य	:	500 पैसे
Denomination	:	500p
मुद्रित डाक टिकटें	:	397800
Stamps Printed	:	397800
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The philatelic items are available for sale at Philately Bureaus across India and online at
http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the Stamps, Miniature Sheets, First Day Cover and Information Brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 15.00